आदर्श प्रश्न पत्र - 2014

हिन्दी 'केंद्रिक'

कक्षा - XII

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

खण्ड- क

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 15

बुद्ध ने हिन्दुओं के सांस्कृतिक तत्वों का उपयोग धर्म के कुछ आचारों को शुद्ध करने के लिए किया उन्हें नष्ट करने के लिए नहीं। वह अपूर्ण को पूर्ण बनाने के लिए पृथ्वी पर अवतरित हुआ। वह हमारे लिए, इस देश में समयानुकूल धार्मिक परंपरा का एक अलौकिक प्रतिनिधि माने गए। उन्होंने भारतभूमि पर अपने अमिट पद चिह्न छोड़े। इस देश की सारी रूढ़ियों के बावजूद भी आज देश की आत्मा पर बुद्ध की छाप है। यहाँ उनकी शिक्षा हमारी संस्कृति में समाविष्ट होकर उसका आवश्यक अंश बन गई है। बुद्ध द्वारा 'बाह्मण' और 'भ्रमण' एक-से माने गए और ये दोनों परंपराएँ धीरे-धीरे धुल-मिल गईं। यही कारण है कि बुद्ध को आधुनिक हिन्दु धर्म का निर्माता माना जाता है।

मानव जाति ने बुद्ध के महान चरित्र के रूप में मानो अपने अस्तित्व की सार्थकता को प्राप्त किया है। बुद्ध चाहते थे कि एक नए प्रकार का स्वतंत्र मनुष्य विकसित हो जो सब पूर्व मान्यताओं से स्वतंत्र हो, जो अपना भविष्य स्वयं बनाए, जो अपना दीपक स्वयं बने। बुद्ध के विचार संकुचित मान्यताओं और राष्ट्रीय सीमाओं से परे थे। आज दुनिया के सभी मामलों में जो अव्यवस्था जान पड़ती है, वह मनुष्यों की आत्मा के भीतर की अव्यवस्था की प्रतीक है, विभिन्न देशों एवं कालखंड़ों में खंडित मानवता का दुष्परिणाम ह आज का मानव एक प्रकार की आत्मिक थकान, वैयक्तिक और सामूहिक अहंभाव की वृद्धि से पीड़ित है।

बुद्ध ने स्पष्ट किया कि शांति के लिए आन्तरिक सामंजस्य और आत्मिक संतुलन आवश्यक है। जो आत्मा संतुलित है, जो स्वतंत्र है, वह अपने प्रेम पर कोई बंधन नहीं लगाती, वह मानव मात्र में एक दैवी स्फुलिंग देखती है और मानव जाति के कल्याण के लिए आत्मार्पण करने को प्रस्तुत रहती है। वह पापाचरण एवं अन्य सब प्रकार के भय-समूह से मुक्त रहती है।

(क) बुद्ध ने किस धर्म के किन आचारों को शुद्ध करने के लिए सांस्कृतिक तत्वों का उपयोग किया? 2

(ख) बुद्ध के पदचिह्नों को अमिट क्यों कहा गया है? 2

(ग) 'ब्राह्मण' और 'भ्रमण' परम्परा से लेखक का क्या अभिप्राय है? 2

2

(घ)	बुद्ध को आधुनिक हिन्दु धर्म का निर्माता क्यों कहा गया है?	1
(ङ)	बुद्ध किस प्रकार के मनुष्य को विकसित करना चाहते थे?	1
(च)	आज की दुनिया की अव्यवस्था के स्वरूप को अपने शब्दों में समझाइए।	1
(छ)	आज के मानव की आत्मिक थकान क्या है?	1
(ज)	स्वतंत्र और संतुलित आत्मा की क्या उपयोगिता है?	1
(झ)	गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
(ण)	निम्नलिखित में स्पष्ट कीजिए– अवतरित – प्रत्यय समाविष्ट – उपसर्ग	1
(ढ)	मिश्र वाक्य में बदलिए– 'वह अपूर्ण को पूर्ण बनाने के लिए पृथ्वी पर अवतरित हुए।'	

2 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **5**

हमने
पेड़ों के बदले
कारखाने उगाये थे
कि हमारे हाथ बढ़ जाएँ
हमें भेटें
अपनाएँ
हम अपनों के निकटतर हो जाएँ।
हमें क्या मालूम था
कि ये सभ्यता के झंडे
जंगल हो जाएँगे।
और हम इनमें खो जाएँगे;
कि आदमी
आदमी को देखने को तरसेगा,
सामने देखेगा
तो भी नहीं चीन्हेगा
बहुत हुआ
तो गुर्राएगा
भौंकेगा
गाली बन बरसेगा।

आशय स्पष्ट कीजिए–
'पेड़ों के बदले कारख़ाने उगाए थे।'

(ख) कारखाने उगाने का क्या उद्देश्य था?

(ग) कारखाने लगाने के क्या दुष्परिणाम हुए?

(घ) 'गुर्राएगा' 'भौंकेगा' शब्दों के माध्यम से कवि किसकी, कैसी मानसिक स्थिति को प्रस्तुत करना चाहता है?

(ङ) काव्यांश के कथ्य को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड: - ख

3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए:- 5

(क) सर्वत्र पैसे की हाय-हाय

(ख) आतंकवाद की समस्या

(ग) राष्ट्रनिर्माण में नारी की भूमिका

(घ) लड़कियों की घटती जनसंख्या

4 युवकों में नशाखोरी की प्रवृत्ति निरंतर बढ़ती जा रही है। किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर इस समस्या पर अपने विचार व्यक्त कीजिए और कोई समाधान भी सुझाइए। 5

अथवा

उत्तर रेलवे मुख्यालय, नई दिल्ली के सतर्कता अधिकारी को पत्र लिखकर रेलवे टिकिट के आरक्षण केन्द्रों पर बढ़ती अव्यवस्था के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

5 निम्नलिखित के उत्तर संक्षेप में दीजिए– **5**

(क) (i) जनसंचार का आधुनिकम माध्यम

(ii) खोजपरक पत्रकारिता

(iii) मुद्रित माध्यम की उल्लेखनीय विशेषता

(iv) उलटा पिरामिड शैली

(v) फ्रीलांसर पत्रकार

(ख) निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर एक आलेख लिखिए। 5

(1) शहरी परिवारों में बुजुर्गों की स्थिति

(2) नौकरी पेशा महिलाओं का जीवन

6 'वेलेंटाइन डे मनाने का बढ़ता चलन' **अथवा** 'ग्राम्य जीवन की चुनौतियाँ' विषय पर एक फीचर लिखिए। 5

खंडः– ग

7 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **6**

भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार।
मन महुं जात सराहत मुनि पुनि पवनकुमार।।

(क) काव्यांश की भाषा कौन-सी है? उसकी किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए।

(ख) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए।

(ग) पद्यांश में वर्णित भरत के व्यक्तित्व की आन्तरिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों में झुलाती है उसे गोद भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी।

(क) काव्यांश की दो भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) काव्यांश के भावसौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) पद्यांश के अलंकार वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

8 **प्रस्तुत पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **8**

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

(क) कविता फूल की तरह खिलकर भी उससे श्रेष्ठतर क्यों हैं?

(ख) 'बाहर भीतर इस घर, उस घर' शब्द समूह के प्रयोग सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) कविता का खेल बच्चों के खेल की भाँति क्यों है?

(घ) 'फूल' और 'बच्चे के खेल' के माध्यम से कविता की विशिष्टता को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी।
पेट को पढ़त, गुनगढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेटकी।।
ऊँचे-नीचे करम, धरम अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।
तुलसी बुझाई एक राम घनस्याम ही ते',
आगि बाड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी।।

(क) कवि ने कविता में अपने समय की किन-किन दशाओं का वर्णन किया है?

(ख) मनुष्यों को किसके लिए किस-किस प्रकार के कर्म करने पड़ते हैं?

(ग) कविता में किसको किससे बढ़कर बताया गया है और क्यों?

(घ) कविता में चित्रित समस्या का निदान कहाँ माना है?

9 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **6**

(क) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता का संबोध्य कौन है? वह कवि के सामने नहीं है; फिर भी कवि को उसकी उपस्थिति का आभास क्यों होता है?

(ख) उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि 'उषा' कविता सूर्योदय के क्षणों में परिवर्तित प्रकृति का सुरम्य शब्द-चित्र प्रस्तुत करती है।

(ग) 'छोटा मेरा खेत' कविता में खेती के रूपक में कविता की संरचना के प्रत्येक चरण को सटीक रूप में प्रस्तुत किया गया है– सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

10 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **8**

जाति-प्रथा को यदि श्रम - विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम-श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धान्त यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

(क) जाति-प्रथा श्रम - विभाजन का आधार क्यों नहीं मानी जा सकती?

(ख) सक्षम श्रमिक समाज की संरचना कैसे की जा सकती है?

(ग) जाति - प्रथा किस आधार पर पेशे का निर्धारण करती है?

(घ) गद्यांश से लेखक के किस विचार की जानकारी मिलती है।

अथवा

कुछ देर चुप रही जीजी, फिर मेरे मुँह में भहरी डालती हुई बोलीं, ''देख बिना त्याग के दान नहीं होता। अगर तेरे पास लाखों - करोड़ों रुपये हैं और उसमें से तू दा-चार रुपये किसी को दे तो यह क्या त्याग हुआ। त्याग तो वह होता है कि जो चीज़ तेरे पास भी कम है, जिसकी तुझको भी ज़रूरत है तो अपनी ज़रूरत पीछे रखकर दूसरे के कल्याण के लिए उसे दे तो त्याग तो वह होता है' दान तो वह होता है, उसो का फल मिलता है।''

(क) जीजी कुछ देर क्यों चुप रह गई?

(ख) जीजी के अनुसार त्याग स्वरूप क्या है?

(ग) 'बिना त्याग के दान नहीं होता।'
जीजी के इस कथन का उदाहरण देकर आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) जीजी को किस बात के कारण त्याग और दान की बात कहनी पड़ी?

11 निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **12**

(क) भक्तिन सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली सेविका है– 'भक्तिन' पाठ के आधार पर प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) बाज़ारूपन किसे कहते हैं? बाज़ार के जादू से मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(ग) 'काले मेघा पानी दे' की जीजी ने 'इन्दर सेना' पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?

(घ) पहलवान की ढोलक की छाप मृत गाँव में संजीवनी शक्ति का संचार करती थी– कैसे? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ङ) 'शिरीष के फूल' के लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों कहा है?

12 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **6**

(क) यशोधर बाबू अपनी पत्नी की भाँति समय के साथ क्यों नहीं ढल सके- 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) स्वयं कविता रचने का आत्म-विश्वास 'जूझ' कहानी के नायक में कैसे पैदा हुआ? आपको इस उदाहरण से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?

(ग) उपयुक्त उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि सिंधु घाटी के लोगों में कला या सुरुचि महत्व ज्यादा था।

13 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **4**

(क) 'मुअन-जोदड़ो' ताम्र काल के शहरों में सबसे उत्कृष्ट क्यों था? 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'डायरी के पन्ने' के आधार पर 'ऐन फ्रेंक' के प्रकृति-प्रेम को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'जूझ' कहानी के शीर्षक के औचित्य पर संक्षेप में विचार कीजिए।

14 'ऐन फ्रेंक' ने अपनी डायरी में स्त्रियों की पारिवारिक - सामाजिक स्थितियों के सुधार की चर्चा की है। इस प्रकार के सुधार-कार्य में आप क्या योगदान करना चाहेंगे? पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए। **5**

अथवा

'जूझ' कहानी का नायक पढने की लालसा को पूरा करने के लिए हर स्थिति में संघर्ष करता है। इस प्रकार की संघर्षशीलता को अपना आदर्श मानकर सफलता के लिए आप क्या-क्या प्रयास करना चाहेंगे? अपने शब्दों में समझाइए।

आदर्श उत्तर पत्र - 2014

हिन्दी 'केंद्रिक'

कक्षा - XII

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 1००**

खंड- क

1 (क) वैदिक धर्म के यज्ञ में पशु-हिंसा। 15

(ख) यज्ञ में पशु-हिंसा का निराकरण, आसक्ति, ईर्ष्या, द्वेष, भ्रान्ति आदि दुर्गणों का निराकरण, शुभकर्मों का संपादन, कर्म संबन्धी विश्वास, निर्वाण, सामाजिक सुधार आदि के कारण।

(ग) वैदिक और बौद्ध धर्म परंपरा, ब्राह्मण पुरोहिता भ्रमण बोद्ध संन्यासी।

(घ) वैदिक धर्म में सुधार के उपरान्त उसे युगानुकूल रूप बनाकर आधुनिक बनाना।

(ङ) स्वतंत्र, विकसित, पूर्व मान्यताओं से विमुक्त जो अपना दीपक स्वयं हो।

(च) अशान्ति, स्वार्थपरता, आक्रामकता, विनाशमयता, अमानवीयता- अनैतिकता विश्वासघात से उत्पन्न अव्यवस्था।

(छ) मानसिक विकृति, आन्तरिक वेदना, वैचारिक अपवित्रता, हताशा, चिन्ता आदि से उत्पन्न आन्तरिक कष्ट।

(ज) मानवता के हितार्थ, मानवजाति के उद्धार हेतु सर्वदा समर्पित।

(झ) बौद्धधर्म का महत्व/योगदान

(ञ) इत प्रत्यय, सम् उपसर्ग

(ट) वह अपूर्ण को पूर्ण बनाना चाहते थे इसलिए पृथ्वी पर अवतरित हुए।

2 (क) कृषि कार्य के स्थान पर कारखाने बनाए। 5

(ख) हमारी सर्वविद्य उन्नति करें, हमें संपन्न बनाएँ हममें स्नेह-भाव उत्पन्न करें।

(ग) नई सभ्यता और प्रगति के प्रतीक कारखाने सुनसान जंगल बन जाएँगे जहाँ मानव ही अमानव बन जाएगा, क्रूर और स्वार्थी बनकर अपनों को भी नहीं पहचानेगा।

(घ) नई तथा कथित प्रगति का प्रतीक इन्सान आत्मीयता के भाव से हीन होकर अपनों को देखकर कुपित होगा और अपमान भरे शब्दों का प्रयोग करेगा।

(ङ) सुख समृद्धि एवं प्रगति के पर्याय में कारखाने, समाज, राष्ट्र और परिवार में ऊँच-नीच का कारण बनकर पारस्परिक प्रेमभाव को समाप्त कर देंगे।

खंड- ख

3 निबंध लेखन 5

(क) भूमिका/आरंभ

(ख) विषय वस्तु

(ग) उपसंहार

4 पत्र-लेखन 5

(क) प्रारंभ एवं अन्त की औपचारिकताएँ

(ख) विषय वस्तु

(ग) भाषिक प्रस्तुति

5 (क) 5

(1) इंटरनेट

(2) ऐसे तथ्यों की खोज करके सामने लाना जिन्हें दबाने की कोशिश की जाती है।

(3) स्थायित्व, लिखित भाषा का विस्तार, चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम

(4) सबसे महत्वपूर्ण तथ्य का सबसे पहले उल्लेख उसके बाद बढ़ते हुए महत्वक्रम में अन्य तथ्यों का उल्लेख। इसके अन्तर्गत समाचार तीन हिस्सों में विभाजित, इंट्रो, बॉडी और समापन।

(5) स्वतंत्र पत्रकार। इसका संबंध किसी किसी खास अखबार से नहीं बल्कि भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखता है।

(ख) आलेख लेखन — आरंभ
विषय वस्तु
निष्कर्ष

विषयवस्तु के अन्तर्गत कथ्य निष्कर्ष की प्रांसगिकता और भाषा शैली पर विशेष ध्यान।

6 (ग) फीचर लेखन- 5

आरंभ -
विषयवस्तु -
निष्कर्ष -

7 (क) अवधी, अलंकारमयता 6

(ख) प्रभुपद प्रीति, बाहु बल

(ग) शीलता, प्रभुपद प्रीति

अथवा

(क) लोक भाषा, हिंदी उर्दू का मिश्रित रूप

(ख) वत्सलता की प्रतिमा बच्चे के प्रति

माता का प्यार तथा बच्चे की किलकारी।

(ग) चाँद का टुकड़ा - रूपक

8 (क) क्योंकि कविता फूल की तरह खिलकर कभी भी उसकी तरह मुरझाती नहीं है। 8

(ख) फूल की गन्ध तथा कविता का भाव-प्रभाव सर्वत्र विद्यमान।

(ग) बच्चे के खेल में किसी प्रकार की सीामा का कोई स्थान नहीं। कविता भी शब्दों का खेल है, जिसका क्षेत्र जड़-चेतन अतीत और वर्तमान सर्वत्र है।

(घ) कविता की विशिष्टता है– सार्वकालिक एवं सार्वत्रिक स्थिति।

अथवा

(क) अपने समय की आर्थिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक दशाओं का वर्णन किया है।

(ख) कोई पेट के लिए मज़दूरी करता है, भिक्षा माँगता है, शासक और धनिक झूठी प्रशंसा करता है, आदि।

(ग) पेट की आग को बाडवाग्ि से बढ़कर बताया है क्योंकि पेट की आग की शान्ति के लिए मानव को सभी प्रकार के उचित-अनुचित कार्य करने पड़ते हं।

(घ) राम घनश्याम में।

9 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर– 6

(क) वह दिवंगत माँ, पत्नी, सहचरी कोई भी हो सकती है। सहज स्नेह की ऊष्मा के कारण उसकी उपस्थिति सर्वव्यापी प्रतीत होती है।

(ख) यह कविता सूर्योदय के क्षण के पल-पल परिवर्तित प्रकृति रूपों का शब्द चित्र प्रस्तुत करती है। कवि भोर के आसमान के विभिन्न रूपों को गाँव की सुबह से जोड़ता है। वह आसमान सिल है, राख से लीपा हुआ चौका है....... आदि।

(ग) कागज का एक पन्ना, जिस पर कविता लिखी गई है कवि को एक चोकोर खेत की तरह लगती है। इस खेत में भावात्मक आँधी के प्रभाव से किसी क्षण एक बीज बोया जाता है। यह बीज रचना और विचार का है। वह मूल रूप कल्पना का सहारा लेकर विकसित होता है। इसमें शब्दों के अंकुर निकलते हैं अन्तत: कविता एक पूर्ण रूप ग्रहण करती है। परिमाणत: कविता से अलौकिक रस की धारा फूटती है।

10 गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर– 8

(क) जाति के आधार पर श्रमविभाजन के कारण

(ख) क्षमता को विकसित करें, अपना पेशा चुनने का अधिकार दे।

(ग)

(घ) पेशे का निर्धारण जाति से नहीं व्यक्ति की क्षमता और कार्य दक्षता से होना चाहिए।

अथवा

(क) लेखक का यह तर्क सुनने के उपरान्त कि हमारे ऋषि-मुनियों ने दान का महत्व तो बताया है- पर पानी की बूँद-बूँद के लिए तरसने के क्षणों में पानी की बरबादी के लिए नहीं कहा।

(ख) दान त्याग से ही किया जाता है। पर्याप्त धन संपत्ति में से कुछ देना त्याग नहीं, अपनी ज़रूरत को पीछे रखकर पर हितार्थ कुछ देना त्याग है।

(ग) अपनी जरूरतों को कम करके दूसरों की भलाई के विभिन्न कष्ट स्वयं उठाकर कुछ देना।

(घ) इन्दर सेना को पानी देते समय लेखक को पानी देने से इन्कार करने के कारण।

11 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर- **12**

(क) भक्तिन ने अपनी देहाती ग्राम कला की सरलता से महादेवी जी को इतना मोहित कर दिया कि वे अपनी असुविधाएँ छिपाने की अभ्यस्त हो गई। वह महादेवी जी को अपने मन के अनुसार बना लेती है– जैसे मकई का दलिया, बाजरे तिल लगे पुए, ज्वार की खिचड़ी लेखिका को स्वादिष्ट लगने लगी है वह दुर्गणों से रहित नहीं है, (सत्यवादी हरिशचन्द्र भी नहीं है। इधर-उधर पड़े पैसों को संभालकर रखना उसका स्वभाव उसकी कर्तव्य प्रियता मन को मोहती है। प्रत्येक कार्य में सहायिका, रात-भर लेखिका के साथ जगना, भ्रमण में साथिन, महादेवी के घर में उसका अस्तित्व है उसकी सार्थकता है।

(ख) जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेज़िंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल विनाशक शक्ति, शैतानी शक्ति, बाजार को देते है यही बाजारूपन है, कपट बढ़ाना सद्भाव घटाना, एक दूसरे को ठगना, दूसरे को हानि पहुँचाकर स्वयं लाभ उठाना। बाज़ार की जादुई ताकत व्यक्तियों को अपना गुलाम बनाती है।

(ग) दीदी इन्दर सेना को पानी देना, पानी की बरबादी नहीं, उसे पानी का अर्ध्य मानती हैं। उनका विश्वास है जो चीज़ मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे? इसी कारण ऋषि-मुनियों ने दान का महत्व बताया। दान के लिए त्याग करना पड़ता है।

(घ) पहलवान की ढोलक के बोल गाँव के मृत समान वासियों को भी जिलाए रखते हैं, मौत से लड़ने की शक्ति देते हैं, गाँव की भीषणता को ललकारते हैं, मृत गाँव में संजीवनी का संचार करते हैं, स्पंदन शक्ति शून्य में बिजली दौड़ाते हैं। ढोलक की आवाज औषध तो नहीं है, पर वह मरणासन्न ग्रामवासी को मृत्यु से न डरने का साहस अवश्य देती थी।

(घ) वह पन्द्रह-बीस दिन के लिए नहीं फूलता, वह वसन्त से आषाढ़ तक मस्त बना रहता है, भादों में भी फूलता रहता है- जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है- उस समय एक मात्र शिरीष कालजयी अव धूल की भांति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है।

12 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर– **6**

(क) आधुनिकता के प्रति प्रबल आकर्षण के अभाव के कारण–

- 'जो हुआ होगा' और 'समझाउ इ प्रापद' की अनिर्णयात्मक स्थिति के कारण।
- बदलाव के प्रति अनिच्छा के कारण-

(ख) साहित्य के प्रति अमिट लालसा के कारण

- सौंद लगेकर के प्रभावी ढंग से कविता पढ़ाने के कारण
- अनेक अंग्रेज़ी कविताओं की उनकी कंटस्थता के कारण
- छंद, लय, गति की उनकी जानकारी के कारण।
- उनका अभिनय के साथ कविता पढ़ाना।
- स्वयं खेत पर पानी लगाते समय, ढोर चराते समय खुले गले से मास्टर के हाव-भाव यति-गति के अनुसार गायन के कारण।

(ग) धातु और पत्थर की मूर्तियों, मृद-भांड, उन पर चित्रित मनुष्य, वनस्पति और पशु-पक्षियों की छवियां, सुनिश्चित मुहरें, उन पर उत्कोर्ण आकृतियों, खिलौने, केश-विन्यास आभूषण आदि।

13 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर- **4**

(क) उत्कृष्ठ नगर-नियोजन कला,

- इमारतें, सड़कें, मूर्तियाँ, पात्र, मुहरें
- अपने दौर में घाटी की सभ्यता का केन्द्र राजधानी
- मैदान की संस्कृति

(ख) नीला आसमान, पक्षियों की चहचहाट, खिलती हुई चाँदनी, विकसित कलियाँ– आदि उसको मुग्ध करते हैं, पागल बनाते हैं। गहरी सांवली बरसात की रात, तेज़ हवा, बादलों के बीच चमकती बिजली उसको मंत्र मुग्ध करती है। प्राकृतिक दृश्य उसको शांति और आशा की भावना से सराबोर कर देते हैं।

(ग) पढ़ने की लालसा को पूरा करने के लिए निरन्तर संघर्षशीलता, पारिवारिक स्तर पर सभी दायित्वों के निर्वाह हेतु लगातार कर्मण्यता, विद्यालय में विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना, खेती का काम करते हुए भी साहित्यिक रुचि को जीवित और विकसित करने हेतु जूझना आदि।

14 परीक्षार्थी का अपना प्रयास, अपनी सोच **5**